**झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति**

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

झारखण्ड, राँची।

**प्रेस विज्ञप्ति**

## 2015 पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत

दिनांक 16 Jan. 2015 को आज डोरंडा स्थित ,राजकीय औषधालय में प्रधान सचिव ,स्वाथ्य विभाग ,के0 विद्यासागर पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की। उन्होनें अभियान की शुरूआत करते हुए कहा की हमारे यहॉ 50 % बच्चे ही पोलियो बूथ पर दवा पीने आते हैं। अन्य को घर – घर जाकर दवा पिलाना पड़ता है। हमें बूथ कवरेज को बढ़ाना होगा। इसके लिए हमें बेहतर ढंग से प्रसार – प्रचार करने की जरूरत है। उन्होनें सभी कर्मियों को वैक्सीन की गुणवता पर विशेष घ्यान देने का निर्देश दिया। स्वच्छता को अपना कर पोलियो को फैलने से रोक सकते हैं। भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया, स्वच्छ भारत अभियान इस कार्य में बहुत ही सहायक है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए शिक्षा, बाल विकास, पंचायती राज आदि विभागों से भी सहयोग लिया जा रहा है।

आशीष सिंहमार ,अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड ने कहा कि,मई 2014 में भारत को पोलियो मुक्त (WHO) द्वारा घोषित किया गया। लेकिन हमारे पडोस के देशों में अभी भी पोलियो है। इससे हमारे देश मे दोबारा पोलियो के खतरा को नकारा नही जा सकता है। उन्होनें सभी लोगो से अपील किया कि ,अपने 0 – 5 वर्ष के बच्चे को पोलियो बूथ ले जाकर पोलियो खुराक अवश्य पिलायें।

गौरतलब है कि, भारत को दक्षिण पूर्वी ऐशियाई देशो के साथ पोलियो मुक्त हुए लगभग एक वर्ष हो गया। विश्व भी हमारी इस अभूतपूर्व उपलब्धी की सराहना करता है। क्योंकि 2009 तक पोलियो के आधे से अधिक मरीज हमारे देश से होते थे। भारत में 13 जनवरी 2011 के बाद एक भी पोलियो का मरीज नही मिला है। जब रूखसार खातून (2 वर्ष की बच्ची ) प0 बंगाल के हावड़ा जिला में पोलियो से लक्वा ग्रसित हो गई थी। झारखण्ड में अंतिम बार 22 October 2010 को पाकुड जिला में Master इंजामामुल नामक चार वर्ष का बच्चा पोलियों

ग्रसित हो गया था। इससे ज्ञात होता है कि पोलियो उन्मुलन की रणनीती जो हमारे देश में अपनाई गई है वो पोलियो को किसी भी स्थिति मे रोकने में सक्षम है। जबतक विश्व के किसी भी देश में पोलियो की बीमारी रहेगी तबतक पोलियो का खतरा हमारे देश और राज्य को भी बना रहेगा। भारत सरकार ने पूरे देश में 18 जनवरी तथा 22 फरवरी को दो चक्र में पोलियों टीकाकरण कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। जिसमें पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दवा पिलाई जानी है।

दो चक्र में चलने वाले पोलियो उन्मुलन कार्यक्रम मे मुख्य रूप से नवजात शिशु तथा पलायन करने वाले परिवारो के बच्चे पर ध्यान देने की जरूरत है। हमारे राज्य के तीस प्रखंड High Risk Area में आते है। इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 59 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाऐगी। इसके लिए राज्य भर मे 34246 बूथ बनाये गए हैं। जिसमें 76555 कर्मचारी पोलियो बूथ पर तथा घर घर जाकर बच्चो को  पोलियो की दवा पिलाऐंगें। साथ ही 908 मोबाईल टीम तथा 1434 Transit Team भी बनाये गए है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 5844 पर्यवेक्षक तथा 2468 Dipo Holder रखे गए है।

डॉ0 सुमंत मिश्रा,निदेशक प्रमुख,स्वास्थ्य सेवाएँ ने कहा कि इतने बड़े देश को पोलियो मुक्त करना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस उपलब्धि को बनाये रखना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। जिसके लिए राज्य के हरेक स्तर पर स्वास्थ्य कर्मी एक विशेष रणनीति के तहत पल्स पोलियो अभियान 2015 में कार्य करेंगें।

इस अवसर पर डॉ0 चौधरी, निदेशक , स्वास्थ्य सेवाए , डॉ0 अजित, उपनिदेशक ,रॉची जिला के सिविल सर्जन तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग